



एमडीयू के कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशंस विभाग द्वारा नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एन्ट्रोप्रियनियरशिप, चहल बोले उद्यमिता विकास के लिए टेक्निकल इनोवेशन जरूरी

भास्कर न्यूज़ | रोहतक

उद्यमिता की संस्कृति सृजित करने के लिए आईटी शिक्षा एवं कौशल के महत्व को फोकस करते हुए मंगलवार को एमडीयू के कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशंस विभाग द्वारा नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एन्ट्रोप्रियनियरशिप का आयोजन किया गया। सीएमएआई एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस उद्यमिता सम्मेलन में कुलपति एचएस चहल ने शुभारंभ किया। सम्मेलन में कुलपति चहल ने कहा कि टेक्निकल इनोवेशन तथा आईसीटी का उपयोग उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है। कुलपति चहल ने कहा कि विद्यार्थियों में उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष



(आरएसी) डॉ. डीएन रेड्डी ने बतौर विशिष्ट अतिथि इस कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने कहा कि इंटरनेट टेक्नोलॉजी उद्यमिता को बढ़ावा देने में सक्षम है। आज के युग की जरूरत है कि विद्यार्थी आईसीटी में कौशल हासिल करें।

सीएमएआई एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष प्रो. एनके गोयल

ने बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर इस राष्ट्रीय सम्मेलन में शिरकत की। उन्होंने सीएमएआई की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. राधाकृष्णन सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में उद्यमी रणधीर सैनी ने उद्यमिता से संबंधित अपने अनुभवों को साझा किया।

सम्मेलन में नीलू सुद, अरविंदा शर्मा, अनिल शर्मा, कमलेश कुमार सहित विशिष्टजनों ने भी अपने विचार रखे। कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशंस विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजेन्द्र सिंह छिल्लर, यूआईईटी निदेशक प्रो. एसपी खटकड़, प्रो. नसीब सिंह गिल सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

रोहतक। एमडीयू में कंप्यूटर साइंस के राष्ट्रीय सेमिनार में आर प्रो. एनके गोयल को सम्मानित कुलपति एचएस चहल।